

**Model Answer**

**Que. What are the causes and consequences of migration? Critically Analyse.**

In the midst of 2024, the World Migration Report 2024 was launched by the International Organization for Migration (IOM), revealing significant shifts in global migration patterns. As per the report, India is the origin of the largest number of international migrants in the world (nearly 18 million), with large diasporas in countries like the UAE, the US, and Saudi Arabia. People, generally are emotionally attached to their place of birth. But millions of people leave their places of birth and residence and migrate which could be a variety of reasons:

Push factors	Pull factors
<ul style="list-style-type: none"> <li>● <b>Meaning:</b> These factors cause people to leave their place of residence or origin.</li> <li>● <b>Examples:</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>○ Poverty,</li> <li>○ High population pressure on the land,</li> <li>○ Lack of basic infrastructural facilities like health care, education, etc.</li> <li>○ Natural disasters like flood, drought, cyclonic storms, earthquake, tsunami, etc.</li> </ul> </li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● <b>Meaning:</b> They attract people from rural areas to cities.</li> <li>● <b>Examples:</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>○ Better employment opportunities</li> <li>○ Availability of regular work</li> <li>○ Relatively higher wages.</li> <li>○ Better opportunities for education</li> <li>○ Better health facilities and</li> <li>○ Sources of entertainment</li> </ul> </li> </ul>

Migration is a response to the uneven distribution of opportunities over space., in turn, creates both benefits and problems for the areas, people migrate from and migrate to.

**1. Economic Consequences**

- **Positive Impacts:**
  - **Remittances:** Significant source of foreign exchange; \$100 billion received by India in 2022 (World Bank).
  - **Agricultural Development:** Migration supported the Green Revolution in Punjab, Haryana, and Western Uttar Pradesh.
- **Negative Impacts:**
  - **Overcrowding:** Metropolitan cities face unregulated migration.
  - **Slums:** Growth in industrial states like Maharashtra, Gujarat, Tamil Nadu, and Delhi.

**2. Demographic Consequences**

- Redistribution of population within the country.
- Rural-urban migration drives city population growth.
- Out-migration affects rural demographics (age and skill imbalance).
- High migration from states like Uttarakhand and Rajasthan causes imbalances in age and sex composition in both source and recipient areas.

**3. Social Consequences**

- **Positive:**
  - Migrants act as agents for spreading ideas on technology, education, and family planning.
  - Promotes cultural intermixing and composite culture development.
- **Negative:**
  - Anonymity leads to social vacuum and dejection.
  - Persistent dejection can result in crime and drug abuse.

**4. Environmental Consequences**

- Overcrowding strains urban infrastructure.
- Over-exploitation of resources causes groundwater depletion, pollution etc.

## 5. Other Consequences

- **Impact on Women:** Male out-migration increases physical and mental pressure on women in rural areas.
- **Brain Drain:** Loss of skilled human resources reinforces underdevelopment in source regions.

Migration is both a driver and a consequence of socio-economic disparities. A balanced policy approach addressing both source and destination challenges can ensure its benefits while minimizing adverse impacts.

### प्रश्न. प्रवासन के कारण और परिणाम क्या हैं? समालोचनात्मक विश्लेषण करें।

2024 के मध्य में, अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM) द्वारा वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट, 2024 लॉन्च की गई, जिसमें वैश्विक प्रवासन पैटर्न में महत्वपूर्ण बदलावों का खुलासा हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया में सबसे अधिक संख्या में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों (लगभग 18 मिलियन) का मूल स्थल है, जिसके संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब जैसे देशों में बड़ी संख्या में प्रवासी हैं।

लोग आमतौर पर अपने जन्म स्थान से भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं। परन्तु लाखों लोग अपने जन्म और निवास स्थान को छोड़कर पलायन करते हैं जिसके कई कारण हो सकते हैं:

विकर्षण कारक	आकर्षण कारक
<ul style="list-style-type: none"> <li>● <b>अर्थ:</b> इन कारकों के कारण लोगों को अपना निवास स्थान या मूल स्थान छोड़ना पड़ता है।</li> <li>● <b>उदाहरण:</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>○ गरीबी</li> <li>○ भूमि पर जनसंख्या का उच्च दबाव</li> <li>○ स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा आदि जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव</li> <li>○ बाढ़, सूखा, चक्रवात, भूकंप, सुनामी आदि जैसी प्राकृतिक आपदाएँ।</li> </ul> </li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● <b>अर्थ:</b> वे ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों को शहरों की ओर आकर्षित करते हैं।</li> <li>● <b>उदाहरण:</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>○ बेहतर रोजगार के अवसर</li> <li>○ नियमित कार्य उपलब्धता</li> <li>○ अपेक्षाकृत अधिक वेतन।</li> <li>○ शिक्षा के बेहतर अवसर</li> <li>○ बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ</li> <li>○ मनोरंजन के स्रोत</li> </ul> </li> </ul>

प्रवासन असमान वितरण की प्रतिक्रिया है, जो बदले में, उन क्षेत्रों के लिए लाभ और समस्याएं दोनों पैदा करता है, जहां से लोग पलायन करते हैं।

### ● आर्थिक परिणाम

#### ○ सकारात्मक प्रभाव:

- **प्रेषण:** विदेशी मुद्रा का महत्वपूर्ण स्रोत; 2022 में भारत को 100 अरब डॉलर मिले (विश्व बैंक)।
- **कृषि विकास:** प्रवास ने पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हरित क्रांति को बढ़ावा दिया।

- नकारात्मक प्रभाव:
  - अतिप्रजनन: महानगरीय शहरों में अनियमित प्रवासन का सामना करना पड़ता है।
  - झुगियां: महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और दिल्ली जैसे औद्योगिक राज्यों में वृद्धि।
- जनसांख्यिकीय परिणाम
  - देश के भीतर जनसंख्या का पुनर्वितरण।
  - ग्रामीण-शहरी प्रवासन शहरी जनसंख्या वृद्धि को बढ़ाता है।
  - बाह्य-प्रवासन ग्रामीण जनसांख्यिकी (आयु और कौशल असंतुलन) को प्रभावित करता है।
  - उत्तराखंड और राजस्थान जैसे राज्यों से उच्च प्रवासन स्रोत और प्राप्तकर्ता दोनों क्षेत्रों में आयु और लिंग संरचना में असंतुलन का कारण बनता है।
- सामाजिक परिणाम
  - सकारात्मक :
    - प्रवासी प्रौद्योगिकी, शिक्षा और परिवार नियोजन पर विचारों के प्रसार के लिए एजेंट के रूप में कार्य करते हैं।
    - सांस्कृतिक अंतर्संयोजन और समग्र संस्कृति विकास को बढ़ावा देता है।
  - नकारात्मक :
    - निराशा के कारण अपराध और नशीली दवाओं का दुरुपयोग हो सकता है।
- पर्यावरणीय परिणाम
  - भीड़भाड़ से शहरी अवसंरचना पर दबाव पड़ता है।
  - संसाधनों के अत्यधिक दोहन से भूजल में कमी, प्रदूषण आदि होता है।
- अन्य परिणाम
  - महिलाओं पर प्रभाव: पुरुषों के पलायन से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं पर शारीरिक और मानसिक दबाव बढ़ जाता है।
  - प्रतिभा पलायन: कुशल मानव संसाधनों का क्षरण स्रोत क्षेत्रों में अविकसितता को बढ़ावा देता है।

प्रवासन सामाजिक-आर्थिक विषमताओं का कारक भी है और परिणाम भी। स्रोत और गंतव्य दोनों चुनौतियों को संबोधित करने वाला एक संतुलित नीति दृष्टिकोण प्रतिकूल प्रभावों को कम करते हुए इसके लाभ सुनिश्चित कर सकता है।